

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 494]
No. 494]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 28, 1986/अग्राहायना 7, 1908
NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 28, 1986/AGRAHAYANA 7, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग एवं कंपनी कार्य मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1986

का. प्रा. 870(अ) :—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के प्रादेश सं. का. प्रा. 387(अ) तारीख 7 जुलाई, 1979, सं. का. प्रा. 497(अ) तारीख 5 जुलाई, 1980, सं. का. प्रा. 541(अ) तारीख 6 जुलाई, 1981, सं. का. प्रा. 480(अ) तारीख 7 जुलाई, 1982, सं. का. प्रा. 497(अ) तारीख 7 जुलाई, 1983, सं. का. प्रा. 489(अ) तारीख 6 जुलाई, 1984, सं. का. प्रा. 983(अ) तारीख 31 दिसम्बर, 1984, सं. का. प्रा. 67(अ) तारीख 31 जनवरी, 1985, सं. का. प्रा. 282(अ) तारीख 30 मार्च, 1985, सं. का. प्रा. 500(अ) तारीख 28 जून, 1985, सं. का. प्रा. 718(अ) तारीख 30 दिसम्बर, 1985 और सं. का. प्रा. 866(अ) तारीख 29 नवम्बर, 1985 के साथ पठित भारत सरकार के पूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के प्रादेश सं. का. प्रा. 426(अ) तारीख 8 जुलाई, 1974 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रादेश कहा गया है), मैसर्स एसोसिएटेड इंडस्ट्रीज (ग्रुप) लि., चन्द्रपुर नामक औद्योगिक उपक्रम के रसायन एकक का प्रमुख उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन 30 नवम्बर, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए ग्रहण कर लिया गया था 1191 GI/86

और मैसर्स ग्रुप इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. की उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रमुख ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और केन्द्रीय सरकार की यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रमुख मै. ग्रुप इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. के पास 30 नवम्बर, 1987 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बना रहे,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रादेश 30 नवम्बर, 1987 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा।

[का० सं. 4(4)/80-सीयूएस]

ए. बी. गोकक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY
AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th November, 1986

S.O. 870 (E) :—Whereas by the Order of the Government of India in late Ministry of Industrial

Development No. S. O. 426 (E) dated the 8th July, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Nos. S.O. 387 (E), dated the 7th July, 1979, S.O. 497 (E), dated the 5th July, 1980, S.O. 541 (E) dated the 6th July, 1981, S.O. 480 (E), the 7th July, 1982, S.O. 497 (E), dated the 7th July, 1982, S.O. 489 (E), dated the 6th July, 1984, S.O. 983 (E), dated the 31st December, 1984, S.O. 67 (E), dated the 31st January, 1985, S.O. 282 (E) dated the 30th March, 1985, S.O. 500 (E) dated the 28th June, 1985, S.O. 718 (E) dated the 30th September, 1985 and S.O. 866 (E) dated the 29th November, 1985 the management of the Chemical Unit of Industrial Undertaking known as Messrs Associated Industries (Assam) Limited, Chandrapur was taken over under clause (b) of Sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65

of 1951), upto and inclusive of 30th November, 1986 and Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking ;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue to be under the management of Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited upto and inclusive of 30th November, 1987 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect upto and inclusive of the 30th November, 1987.

[File No. 4 (4) 80-CUS]

A. V. GOKAK, Jt. Secy.